दैनिक नवज्योति

• The Oldest Hindi Daily With Largest Circulation in Rajasthan • वर्ष 63, अंक 162 • जयपुर, सोमवार, 14 जून, 1999 • मूल्य: एक रुपया • विमान शुल्क: पाँच पैसे • प्रभात .....

कर्कटोल से कैंसर के सफल इलाज का दावा

नगर प्रतिनिधि
जयपुर, 13 जून।

आयुर्वेद दवाओं से कैन्सर का निदान खोजने में लगे डा. नंदलाल तिवारी ने दावा किया है कि नई दिल्ली के आयुर्विज्ञान संस्थान के विज्ञान विभाग ने 'कर्क टोल'- दवा का चूहों पर परीक्षण कर उसे सुरक्षित पाया है।

कई वर्षों के प्रयास से 'कर्कटोल' नामक आयुर्वेदिक दवा तैयार की है जो गर्भाशय, भोजन नली के कैंसर और रक्त कैंसर के इलाज में कारगर सिद्ध हो रही है।

डा. तिवारी ने कहा कि लंदन की प्रतिष्ठित लाइस एण्ड मार्टिन प्रयोगशाला ने भी यह निष्कर्ष निकाला है कि दवा पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि कर्कटोल पर आगे और गहन अनुसंधान की जरूरत है। कर्कटोल दवा की आधुनिक तरीके से प्रमाणिकता की जांच कराने के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को कई बार लिखा जा चुका है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने भी इस दवा के क्लीनिकल परीक्षण संबंधी परियोजनाओं पर चुप्पी साध रखी है। निजी स्तर पर विदेशों से यह परीक्षण कराने पर लाखों रुपये खर्च होते हैं। उन्होंने बताया कि कैंसर के इलाज के लिए वर्तमान चिकित्सा पद्धति में जो दवाएं उपलब्ध हैं वे अपने जहरीले प्रभाव से ही कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करती हैं। उन्होंने बताया कि कर्कटोल दवा की विदेशों से मांग आने पर पिछले कुछ वर्षों से इसे कैप्सूल का रूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि कई विदेशी विशेषज्ञ डाक्टर भी कैंसर मरीजों को चिकित्सा के लिए उनके पास भेज रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आखिरी स्टेज के करीब 40 से 50 प्रतिशत मरीजों को उनकी दवा से लाभ हुआ है।'

नागौर जिले के नीमडी कलां के निवासी डा. तिवारी ने साठ के दशक में असम तथा दार्जिलिंग में चाय बागानों का प्रबंध देखते समय कैंसर रोग की आयुर्वेदिक दवाओं की खोजबीन की। बाद में वैध विशारद की परीक्षा उत्तीर्ण करके व कैंसर चिकित्सा के अनुसंधान में लग गए। इन दिनों वह कैंसर का पता लगाने वाली दवा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। डा. तिवारी के अनुसार विस्तृत परीक्षण के बाद यह दवा द्रव पदार्थ के रूप में होगी जिसे जीभी पर लगाते ही यह पता चल जाएगा कि रोगी को कैंसर है अथवा नहीं। इसके बाद विस्तृत परीक्षण कराना उपयोगी होगा।